राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आने लगे हैं–राज्यपाल

पटना, 04 जनवरी 2020

''नये वर्ष में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किया जायेगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रही हैं। केन्द्रीय शैक्षणिक एजेन्सियों का भी पर्याप्त सहयोग मिल रहा है। उच्च शिक्षा के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं।''–उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने बापू सभागार में आयोजित पटना विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए आज व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में 50% से अधिक छात्राएँ हैं। इस तरह यह विश्वविद्यालय बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी एक नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज के दीक्षांत–समारोह में भी 80% से अधिक 'गोल्ड मेडल' बेटियों को मिला है। यह पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है।

अध्यक्षीय पद से दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि गुणात्मक शिक्षा के बिना सतत विकास की कल्पना नहीं की जा सकती और इस दिशा में 'नैक' की महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः सभी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों का यह पहला दायित्व है कि वह अपना नैक–मूल्यांकन प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र करायें। जिन संस्थाओं का नैक–मूल्यांकन हो चुका है, उन्हें अपनी 'रैंकिंग' में सतत सुधार के लिए प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा क्षेत्र में निरंतर अनुसंधानों का भी काफी महत्व है। अकादमिक अनुसंधानों ने हमारे समाज और उद्योग–जगत् की कई समस्याओं के समाधान खोजने में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में गुणवतापूर्ण अनुसंधान के लिए समुचित शिक्षण–प्रणाली एवं आधारभूत संरचना विकसित करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा और संस्कृति का बहुत प्रगाढ़ संबंध रहा है। शिक्षा से व्यक्ति में संस्कार विकसित होते हैं तथा वह सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध होता है। आज शिक्षा द्वारा सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध करने की जरुरत है ताकि हमारी भावी पीढ़ी में विश्वास, प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का विकास हो सके। हमारे विश्वविद्यालयों को स्वतंत्रता, समानता, विचार–अभिव्यक्ति की स्वस्थ परम्परा, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था तथा भारतीय संविधान के प्रति दृढ़निष्ठा को विकसित करनेवाले अकादमिक संस्थानों के रूप में विकसित होना चाहिए। राज्यपाल ने महान शिक्षाविद् डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उद्धृत करते हुए कहा कि– ''हमारे विद्यार्थियों को लोगों के मन से अविश्वास का जाल और नफरत का जहर दूर करना होगा। किसी राष्ट्र का जीना–मरना वहाँ के लोगों के चरित्र पर निर्भर करता है। युवाओं में विकसित किया जा रहा चरित्र ही किसी राष्ट्र के जीवन और मृत्यु का वास्तविक रूप से निर्धारण करता है। चरित्र–निर्माण का यह कार्य विश्वविद्यालयों को ही करना है।''

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि आज कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक सम्पूर्ण भारत एक राष्ट्रीय ध्वज के अन्तर्गत एक संविधान से परिचालित हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना की है एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के '150वें जयन्ती वर्ष' में स्वच्छता और आरोग्यता पर ध्यान देते हुए 'स्वस्थ भारत' के स्वप्न को साकार करने की अपील की है। आज भारत सरकार पर्यावरण–संतुलन बनाये रखने की दिशा में ठोस प्रयास कर रही है। यह अत्यन्त प्रशंसनीय है कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भी पर्यावरण के प्रति जन–चेतना विकसित करने के लिए पूरे बिहार राज्य में 'जल–जीवन–हरियाली' नामक विशेष जागरूकता अभियान चला रहे हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत युवाशक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि वे राज्य में वन एवं पर्यावरण के समुचित विकास में भरपूर योगदान दें। राज्यपाल ने समारोह में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ भी दी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि 'मैंने भी पटना विश्वविद्यालय से ही उच्च शिक्षा ग्रहण की है और आज राज्य के शिक्षा मंत्री के रूप में दीक्षांत–समारोह को संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य और गौरव की बात है।'' शिक्षा मंत्री ने राज्य में शिक्षा–विकास के लिए संचालित योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

'दीक्षांत–भाषण' में बोलते हुए इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ नागेश्वर राव ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय की गौरवशाली परम्परा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण के सुधार के साथ–साथ प्रजातांत्रिक और नैतिक मूल्यों के विकास को भी आवश्यक बताया।

समारोह में पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने पटना विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं आगामी कार्य–योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

दीक्षांत समारोह में पीएच॰डी॰ उपाधि प्राप्त, स्वर्णपदक प्राप्त एवं अन्य डिग्रियाँ प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के बीच राज्यपाल–सह–कुलाधिपति, शिक्षामंत्री एवं 'इग्नू' के कुलपति ने डिग्रियाँ वितरित की। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति/प्रतिकुलपति, विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारीगण, छात्रनेता आदि भी उपस्थित थे।

.....